Toppersnotes®
Unleash the topper in you

RAS

राजस्थान प्रशासनिक सेवा

प्रारम्भिक एवं मुख्य परीक्षा

राजस्थान लोक सेवा आयोग (RPSC)

भाग – 7

राजस्थान का भूगोल

SIERRA INNOVATIONS

प्रस्तावना

• प्रिय विद्यार्थियों ,

● आप सभी को Team New India की तरफ से नमस्कार।

● सभी प्रतियोगी परीक्षाओं में भूगोल सर्वाधिक अंकदायी विषय रहता है। अगर भूगोल विषय को Maps, diagrams, Flowchart और Image की सहायता से समझाया जाये तो भूगोल एक बहुत सरल विषय लगता है। हमारे Hand written notes के माध्यम से हम भूगोल विषय को आसान बनाने का प्रयास कर रहे है। आप सभी ने यूट्यूब के माध्यम से राज भूगोल के हमारे सभी लेक्चर देखे और आप सभी की डिमांड थी कि इन Hand written notes को रंगीन पुस्तक के रूप में लाया जाये।

● आप सभी विद्यार्थियों की बेहद डिमांड पर हम राज भूगोल के Hand written notes को एक प्रिंट Book के रूप में लाये है। इस पुस्तक में Maps, diagrams, flow chart & images का प्रयोग किया है ताकि भूगोल विषय आपको सबसे आसान विषय लगे और सभी प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतरीन प्रदर्शन कर सके। हमने इस पुस्तक के निर्माण में बहुत सावधानी रखी है , अगर आपको हमें सुझाव भेजने है तो हमारी टीम को Message भेज सकते है। हम हमेशा सुधार करने का प्रयास करेंगे।

● मैं उम्मीद करता हूँ Team New India द्वारा किया जा रहा यह अभिनव प्रयास आपको पसंद आयेगा , और आप इस पुस्तक को बहुत सफल बनायेंगें।

धन्यवाद।

Omkar Singh

OMKAR SINGH
CEO – New India
नव भारत निर्माण

आभार

- पुस्तक निर्माण में कई दृश्य- अदृश्य शक्तियों का आशीर्वाद सदैव साथ रहा। मां सरस्वती, माता-पिता, गुरूजन एवं सहजन सभी का अमूल्य योगदान रहा, इन सब के बिना यह पुस्तक संभव नहीं था।

- इस पुस्तक निर्माण में प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष योगदान देने के लिए हनुमान बेनीवाल (BDO), जोगेन्द्र सिंह (SDM), B.L. मीणा सर (RAS), डा॰ पुष्पा सारस्वत (ethics), डा॰ मेहर सिंह चौधरी (व्याख्याता), हितेश वैष्णव, विक्रम सिंह मीना, पंकज चौधरी, गजेन्द्र खैरेरा, सुरेश मीणा, आकाश सोनी, गौरव यादव एवं RAS बैच के सभी विद्यार्थियों का विशेष आभार व्यक्त करते हैं। साथ ही विभिन्न ऑनलाइन माध्यमों जैसे- सरकारी वेबसाइट, पोर्टल, ब्लॉग आदि से विद्यार्थियों के शैक्षिक उन्नयन हेतु प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से अधिगम सामग्री, चित्रों का उपयोग इस पुस्तक में किया है, उनके लिए आभार व्यक्त करते है।

- Thank you all.

- Team New India

  ओमकार सिंह (CEO)
  सूर्यप्रकाश शर्मा (संपादक)
  विक्रम सिंह (Teacher)

हनुमान बेनीवाल जी द्वारा एक संदेश

- सर्वप्रथम "न्यू इंडिया नव भारत निर्माण" के फाउंडर श्री ओमकार सर को पढ़ाते हुए मैंने यू ट्यूब चैनल पर कालांश देखी थी फिर पता चला कि ये सर तो हर विषय ही पढ़ाते है फिर मैंने "न्यू इंडिया नव भारत निर्माण" चैनल पर इतिहास, राजनीति विज्ञान, विज्ञान, भूगोल विषयों को पढ़ा।

- मैंनें इंटरव्यू के दौरान सर के राजनीति विज्ञान और इतिहास की मैराथन कालांशे ली जिससे मेरा इन विषयों का इंटरव्यू के लिए पर्याप्त तैयारी हो गई, मुझे मेरे पुलिस विभाग के साथ साथ विषयों से संबधित प्रश्न पूछे गये मेरा इंटरव्यू अच्छा गया और अंत में मैं 76 वीं रैंक के साथ चयनित हुआ इस सफलता में "न्यू इंडिया नव भारत निर्माण" तथा ओमकार सर का सराहनीय योगदान रहा।

- सर अपने चैनल के नाम को सार्थक करते हुए "नव भारत" का निर्माण कर रहे है तथा इसी कड़ी में अभी हम "राजस्थान का भूगोल" बुक लेकर आये है। इस बुक को डायग्राम, मानचित्रों के साथ रंगीन पृष्ठों के साथ हम लॉंच कर रहे है।

- हमें पुरा विश्वास हैं कि हमें सभी परीक्षार्थियों का इस पुस्तक के माध्यम से बहुत सारा प्यार मिलेगा तथा आपके प्यार के आधार पर ही हम और पुस्तकें भी आपके लिए लेकर आयेंगे।

"उजालों में मिल ही जायेगा कोई ना कोई।
तलाश उस हीरे की हैं जो अंधेरों में भी साथ दे।।"

Good Luck

- हनुमानराम
RAS: 2018
(रैंक - 76)

Topics to be covered

Index

- राजस्थान : एक परिचय स्थिति एवं विस्तार (Location) — (Page → 7 to 22)
- राजस्थान का भौतिक विभाजन (Physical devision) — (23 to 54)
- राजस्थान का अपवाह तंत्र (Drainage system) — (55 to 76)
- राजस्थान की झीलें (Lakes) — (77 to 86)
- राज. सिचाई परियोजनाऐं & बहुउद्देशीय परियोजनाऐं (Multipurpose projects) — (87 to 105)
- राज. की जलवायु (Climate of Rajasthan) — (106 to 117)
- राज. की मृदा संसाधन (Soil Resource) — (118 to 125)
- राज. की कृषि एवं फसलें (Agriculture) — (126 to 143)
- राज. के वन एवं प्राकृतिक वनस्पति (Natural vegitation) — (144 to 154)
- राज. में वन्य जीव संरक्षण (Wild life) — (155 to 165)
- राज. की पशु सम्पदा (Animal husbandry) — (166 to 178)
- Students Review (179)
- राज. जनगणना (census - 2011) — (180 to 190)
- राज. में परिवहन (Transport system in India) — (191 to 193)
- राज. की जनजातियां (Tribes in Rajasthan) — (194 to 197)
- पर्यटन (Tourism) — (198 to 200)
- राज. में खनिज संसाधन (Minral Resources) — (201 to 214)
- राज. में ऊर्जा संसाधन (Energy Resources) — (215 to 223)
- राज. के उद्योग (Industries in Rajasthan) — (224 to 236)
- राज. सरकार की फ्लैगशिप योजनाऐं (Flagship Schemes) — (239 to 250)

Dear Aspirant,

Thank you for making the righ

To use the QR codes in the book, Pl

To install the ap
with your mobile
or Google Le

RAS Prepa
APP by Top

Download fr th
Google Play

To Legter
Phone Num

Choose your

Click SCAN

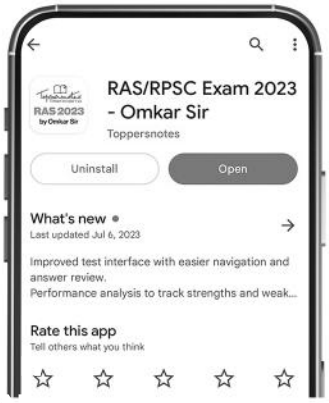

- Solution Videos
- Concept Videos
- Doubt Videos

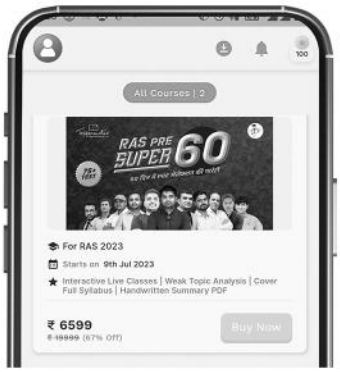

- Additional Learning Material

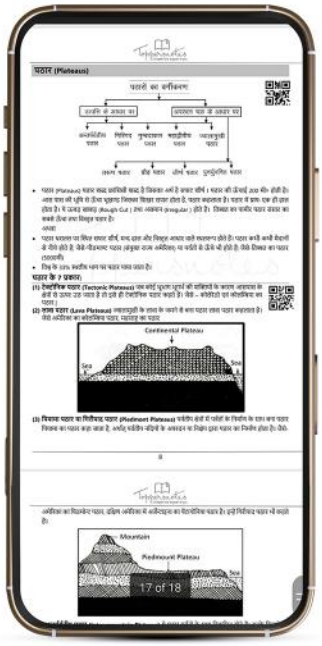

- Topic wise practice
- Weakness analysis

- Rank Predictor
- Test Practice

For any technical help,
write us at **hello@toppersnotes.com or whatsapp on 7665641122.**

Choose any QR CODE f ook

राजस्थान लोक सेवा आयोग

राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएँ संयुक्त प्रतियोगी (प्रारम्भिक) परीक्षा, 2023

:– परीक्षा योजना एंव पाठ्यक्रम :–

राजस्थान का भूगोल

- प्रमुख भू–आकृतिक प्रदेश एवं उनकी विशेषताएं
- जलवायु की विशेषताएं
- प्रमुख नदियाँ एवं झीलें
- प्राकृतिक वनस्पति एवं मृदा
- प्रमुख फसलें– गेहूँ, मक्का, जौ, कपास, गन्ना, एवं बाजरा
- प्रमुख उद्योग
- प्रमुख सिंचाई परियोजनाएँ एवं जल संरक्षण तकनीकें
- जनसंख्या– वृद्वि, घनत्व, साक्षरता, लिंगानुपात एवं प्रमुख जनजातियाँ
- खनिज– धात्विक एवं अधात्विक
- ऊर्जा संसाधन– परम्परागत एवं गैर–परम्परागत
- जैव–विविधता एवं इनका संरक्षण
- पर्यटन स्थल एवं परिपथ

राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं संयुक्त प्रतियोगी (मुख्य) परीक्षा, 2023

–: परीक्षा योजना एवं पाठ्यक्रम :–

खण्ड स–राजस्थान

- प्रमुख भौतिक भू–आकृतियाँ : पर्वत, पठार, मैदान, मरूस्थल।
- प्रमुख नदियाँ एवं झीलें।
- जलवायु : विशेषताएं एवं उनका वर्गीकरण।
- प्रमुख वनस्पति प्रकार।
- कृषि– प्रमुख फसलें : उत्पादन व वितरण।
- धात्विक एवं अधात्विक खनिज : प्रकार, वितरण एवं उनका औद्योगिक उपयोग।
- परम्परागत एवं गैर– परम्परागत ऊर्जा संसाधन।
- जनसांख्यिकी विशेषताएं एवं प्रमुख जनजातियाँ।
- वन्यजीव एवं जैव विविधता : चुनौतियां एवं संरक्षण।
- यूनेस्को की भू–पार्क एवं भू–धरोहर स्थल संकल्पना : राजस्थान में संभावनाए।
- प्रमुख पर्यावरण संबंधी मुद्दे।

राजस्थान : परिचय , स्थिति-विस्तार
Rajasthan : Introduction , Latitude-Longitude

- राज॰ की ग्लोबीय स्थिति एवं विस्तार (Latitude & Longitude Position of Rajasthan)
- राज॰ के संभाग एवं जिले (Division & districts)
- राज॰ की उत्पत्ति (भौगोलिक निर्माण) (origin of Geographical Raj.)
- राज॰ का भौगोलिक मानचित्र (Raj. Geographical Map)
- राज॰ के पडौसी राज्य एवं देश (Interstate & inter-national Boundries of Rajasthan)
  अंतरराज्यीय सीमा एवं अंतरराष्ट्रीय सीमा
- राज॰ के भौगोलिक विशेषताओं वाले क्षेत्र एवं उनके उपनाम
  स्थानीय ऐतिहासिक नाम (Special names of regions)
- राजस्थान की रियासतें एवं उनका क्षेत्र (Princely states)
  (Rajasthan map @ 1947)
- Practicing Rajasthan map (PYQs)

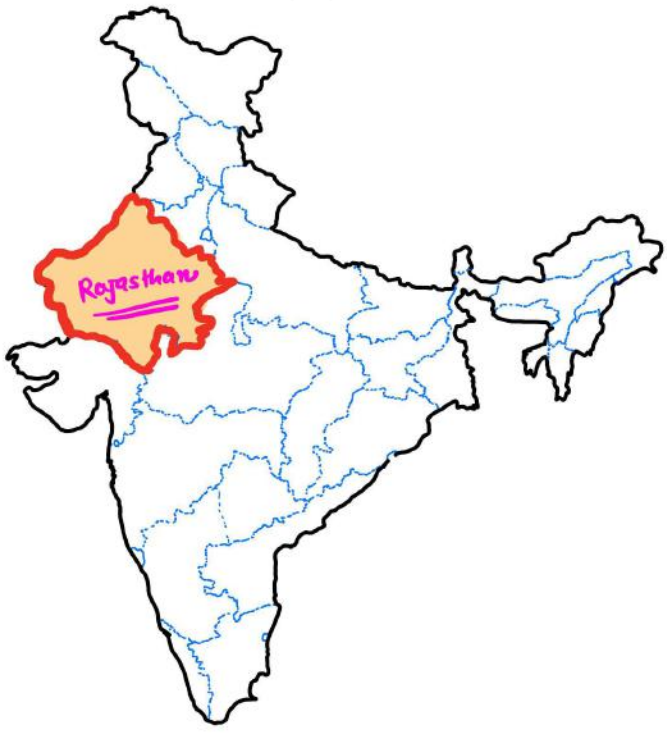

Unleash the topper in you

राजस्थान : An overview

- राजस्थान क्षेत्रफल → 3,42,239 km^2
- राजस्थान जनसंख्या → 6·86 करोड (2011)
- संभाग & जिले → 7 संभाग & 33 जिले
- अंतर्राज्जीय सीमा → 4850 k·m· ; अंतर्राष्ट्रीय सीमा → 1070 K·m·
- नामकरण → वाल्मीकि द्वारा & महाभारत में → मरूकांतर ; अबुल फजल → मरुभूमि
  - बसंतगढ़ अभिलेख (625 A·D·) → राजस्थानादित्य
  - जार्ज थॉमस (1800 A·D·) → राजपूताना (विलियम फ्रेंकलिन (1805) → "मिलिट्री मेमोयर्स ऑफ जार्ज थॉमस" Book)
  - कर्नल जेम्स टॉड (1829 A·D·) → राजस्थान (Book → Annals & Antiquities of Rajasthan)

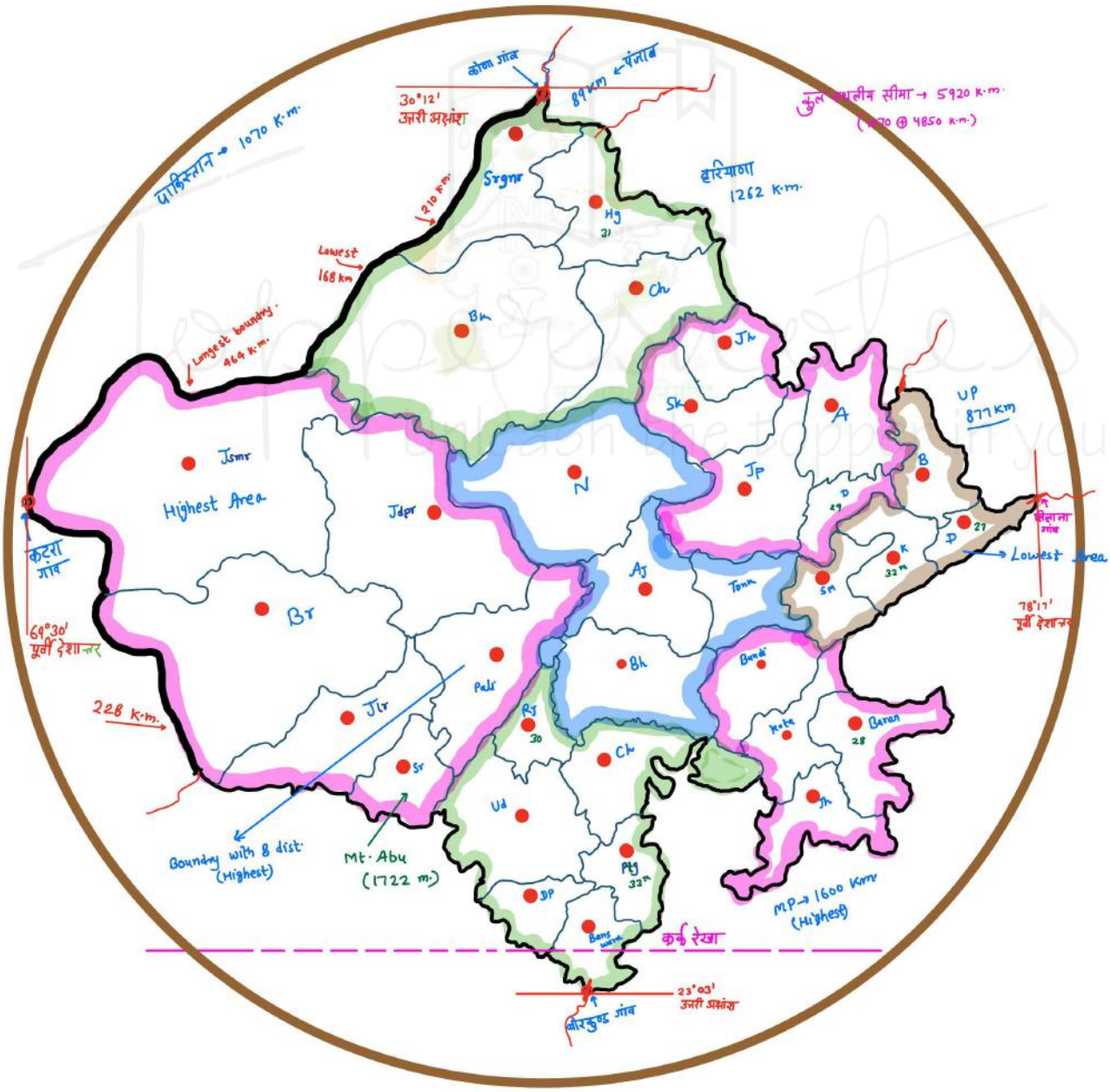

राज॰ की स्थिति (Location of Rajasthan)

स्थिति एवं विस्तार

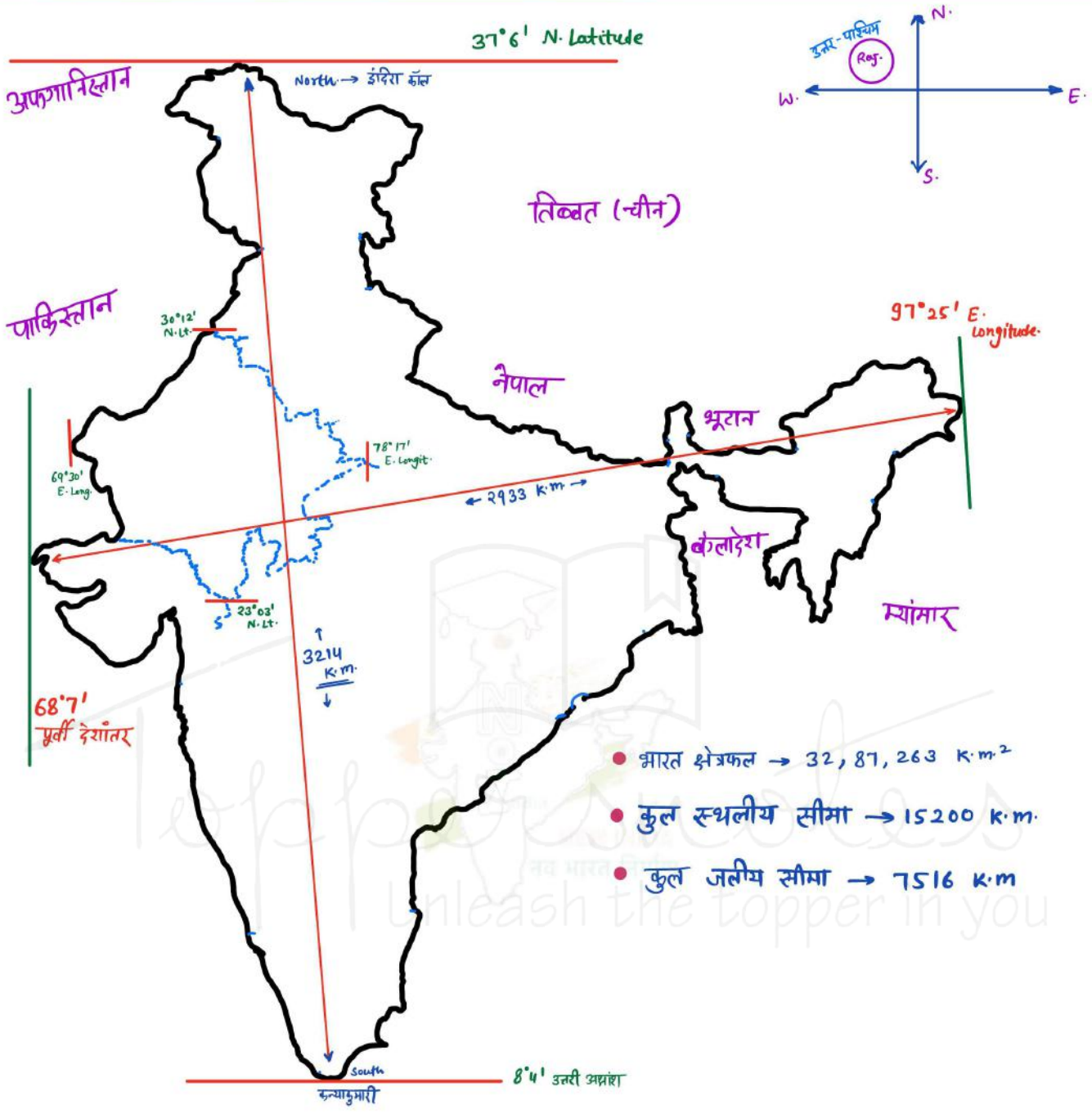

- भारत क्षेत्रफल → 32,87,263 K.m.²
- कुल स्थलीय सीमा → 15200 K.m.
- कुल जलीय सीमा → 7516 K.m

- राज॰ उत्तरी-पूर्वी गोलार्द्ध में एवं भारत के उत्तर-पश्चिम में स्थित है।
- राज॰ की अक्षांशीय स्थिति → 23°03' उत्तरी अक्षांश से 30°12' उ॰ अ॰
  विस्तार → 7°09' अक्षांश (826 K.m.)
- राज॰ की देशान्तरीय स्थिति → 69°30' पूर्वी देशा॰ से 78°17' पू॰ दे
  विस्तार → 8°47' देशान्तर (869 K.m.)
  समय अंतराल → 35 Minute 8 sec. (1° देशान्तर → 4 मिनट)

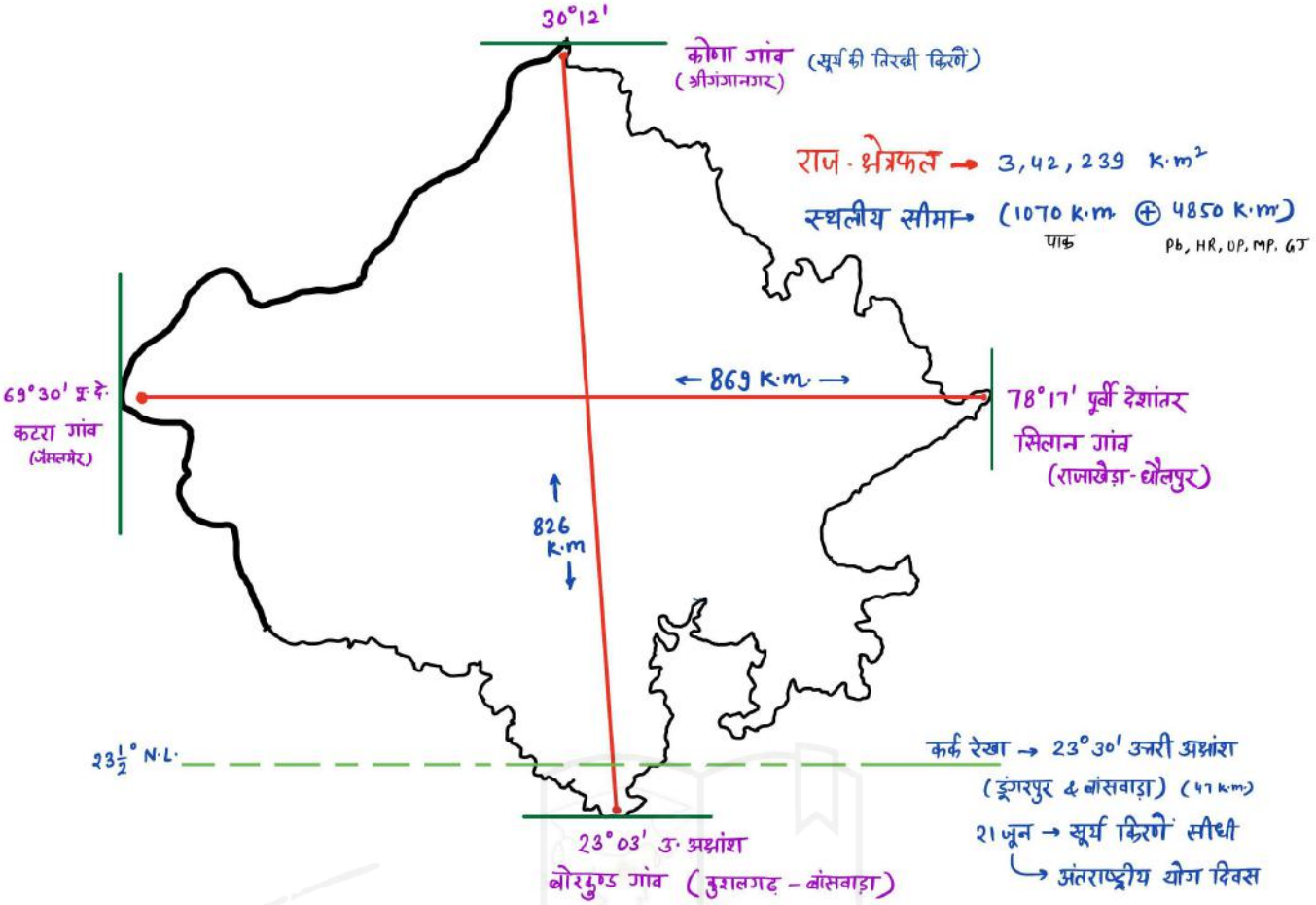

- सैटेलाइट सर्वे के अनुसार राज. का मध्य गांव → गगराना (नागौर)
- देश के क्षेत्रफल में राज. का हिस्सा → 10.41 % (Ist in India)

  ① राज. ② M.P. ③ MH ④ UP ⑤ Aandhra P.
- विश्व के क्षेत्रफल में भारत का योगदान → 2.42% (7th)
- विश्व के क्षेत्रफल में राज. का योगदान → 0.25 %
- राज. की आकृति → पतंगाकार / विषमकोणीय चतुर्भुज (Rhombus By T. H. हेण्डले)

राज॰ के संभाग एवं जिले (Division & districts)

- राज॰ में 7 संभाग एवं 33 जिले हैं।

1. Jaipur
2. Jodhpur
3. Bikaner
4. Ajmer
5. Udaipur
6. Kota
7. Bharatpur

- 1 Nov. 1956 → 26 जिले
- 27 → धौलपुर (1982)
- 28, 29, 30 → बारां, दौसा, राजसमंद (1991)
- 31 → हनुमानगढ़ (1994)
- 32 → करौली (1997)
- 33 → प्रतापगढ़ (2008)

- जयपुर → 5 → Jp, Sikar, Jhu॰, Al॰, Dausa → सर्वाधिक जनसंख्या
- जोधपुर → 6 → Jodh॰, Pali, Jalor, Sirohi, Badmer, Jaisalmer → सर्व॰ क्षेत्रफल
- बीकानेर → 4 → Bika॰, churu, Ganga॰, Hanu॰ → Highest S.C. Popl॰
- अजमेर → 4 → AJ॰, Nagaur, Bhilwara, Tonk → मध्यवर्ती संभाग
- उदयपुर → 6 → Udai॰, Dungar॰, Bans॰, Rajs॰, chittor॰, Pratap॰ → Highest S.T. Popl॰
- कोटा → 4 → Kota, Bundi, Jhalawar, Baran → न्यूनतम जनसंख्या
- भरतपुर → 4 → BPr, dholpur, karauli, S.Madhopur → न्यूनतम क्षेत्रफल

- सबसे बड़े जिले → ① जैसलमेर ② बीकानेर ③ बाड़मेर ④ जोधपुर
- सबसे छोटे जिले → ① धौलपुर ② दौसा ③ डूंगरपुर ④ प्रतापगढ़
- जैसलमेर → धौलपुर से 12 गुणा बड़ा।

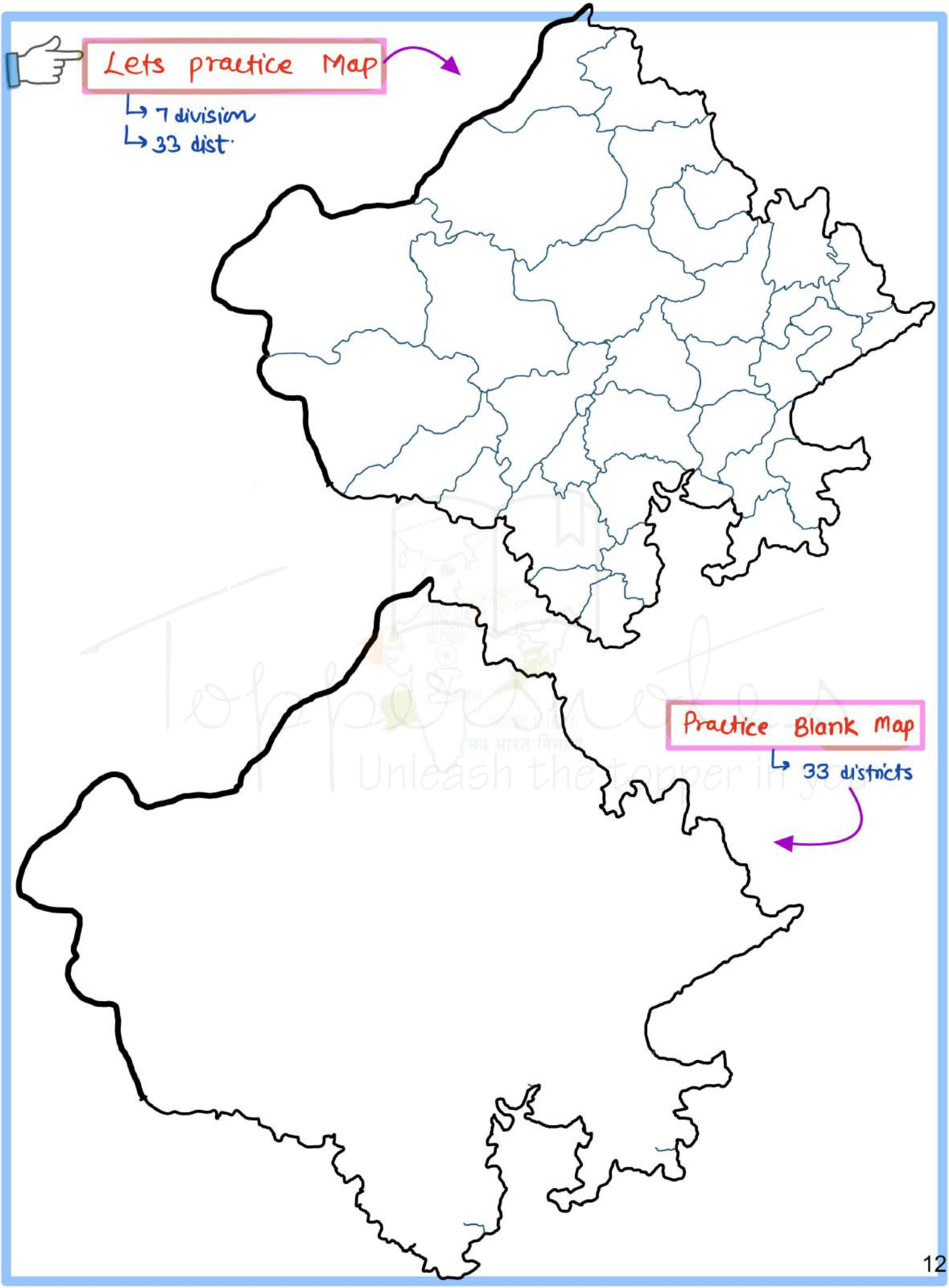
Lets practice Map
↳ 7 division
↳ 33 dist.
Practice Blank Map
↳ 33 districts

राज॰ की उत्पत्ति (भौगोलिक निर्माण) (Geographical origin)

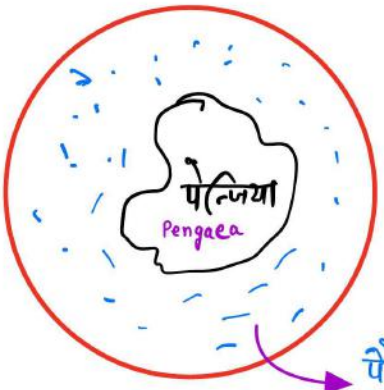

पैन्थालासा
(Penthalassa)

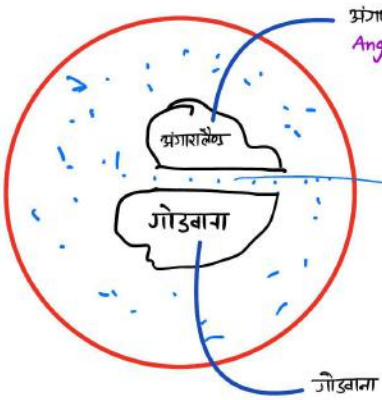

अंगारालैण्ड → यूरेशिया, N.A.
Angaraland

गोंडवाना लैण्ड → S.A., अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया
Laurasia

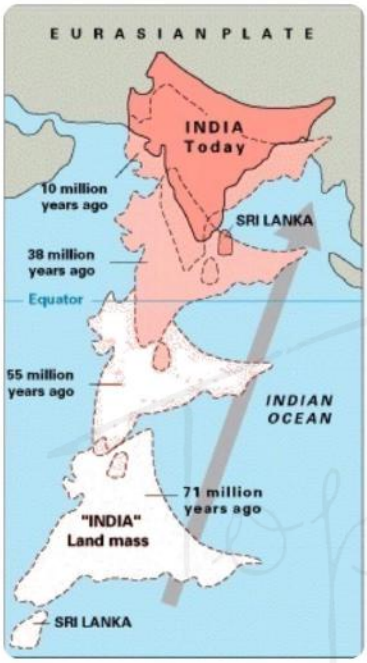

राज॰ का निर्माण (G&T से)

- गोंडवाना लैण्ड (G)
  - अरावली (oldest)
  - हाड़ौती पठार
- टेथिस सागर (T)
  - मरूस्थल ,
  - पूर्वी मैदान (नवीनतम)

PERMIAN
250 million years ago

TRIASSIC
200 million years ago

JURASSIC
145 million years ago

CRETACEOUS
65 million years ago

PRESENT DAY

- "प्लेट टेक्टोनिक सिद्धांत" के अनुसार भारत एवं राजस्थान (Plate Tectonic theory) के भौगोलिक निर्माण की व्याख्या की जाती है।
- प्राचीन काल में पूरा विश्व एक महाद्वीप "पेन्जिया" के रूप में जुड़ा हुआ था, जिसके चारों तरफ "पैन्थालासा" एक महासागर था।
- समय के साथ पेन्जिया दो भागों में टूट गया
  ① अंगारालैण्ड (उत्तरी भाग) ② गोंडवानां लैण्ड (दक्षिणी भाग)
  इन दोनो के बीच "टेथिस सागर" बन गया।
- भारतीय उपमहाद्वीप का अधिकतर हिस्सा "गोंडवाना लैण्ड" का हिस्सा रहा।
- अरावली पर्वतमाला का निर्माण सबसे प्राचीन माना (Pre-cambrian age) जाता है।
- मैदानों & रेगिस्तान का निर्माण नवीनतम माना जाता है। (Cenezoic age में)

राज॰ का भौगोलिक मानचित्र (Geographical Map of Raj.)

Toppernotes
Unleash the topper in you

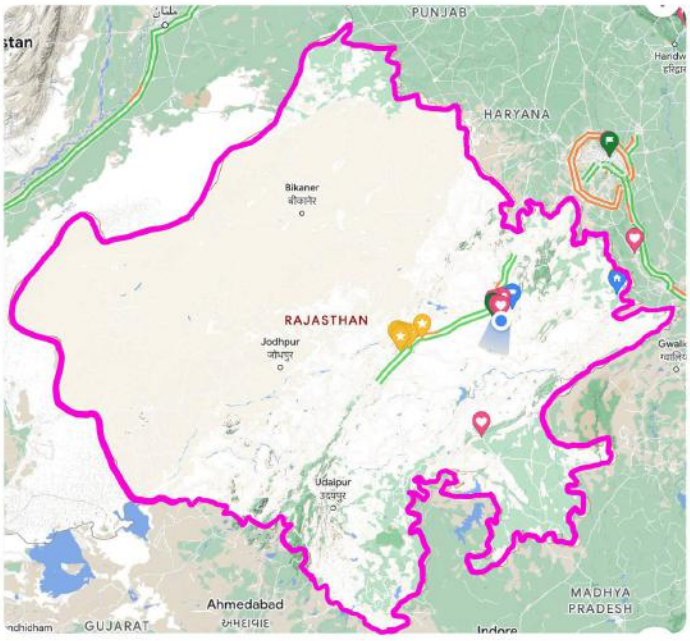

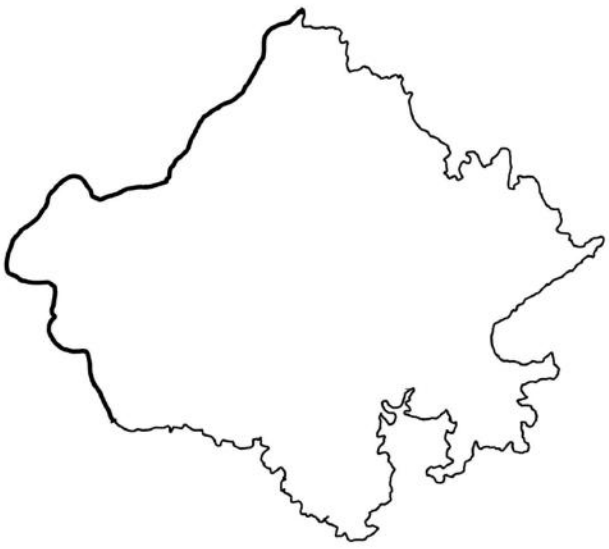

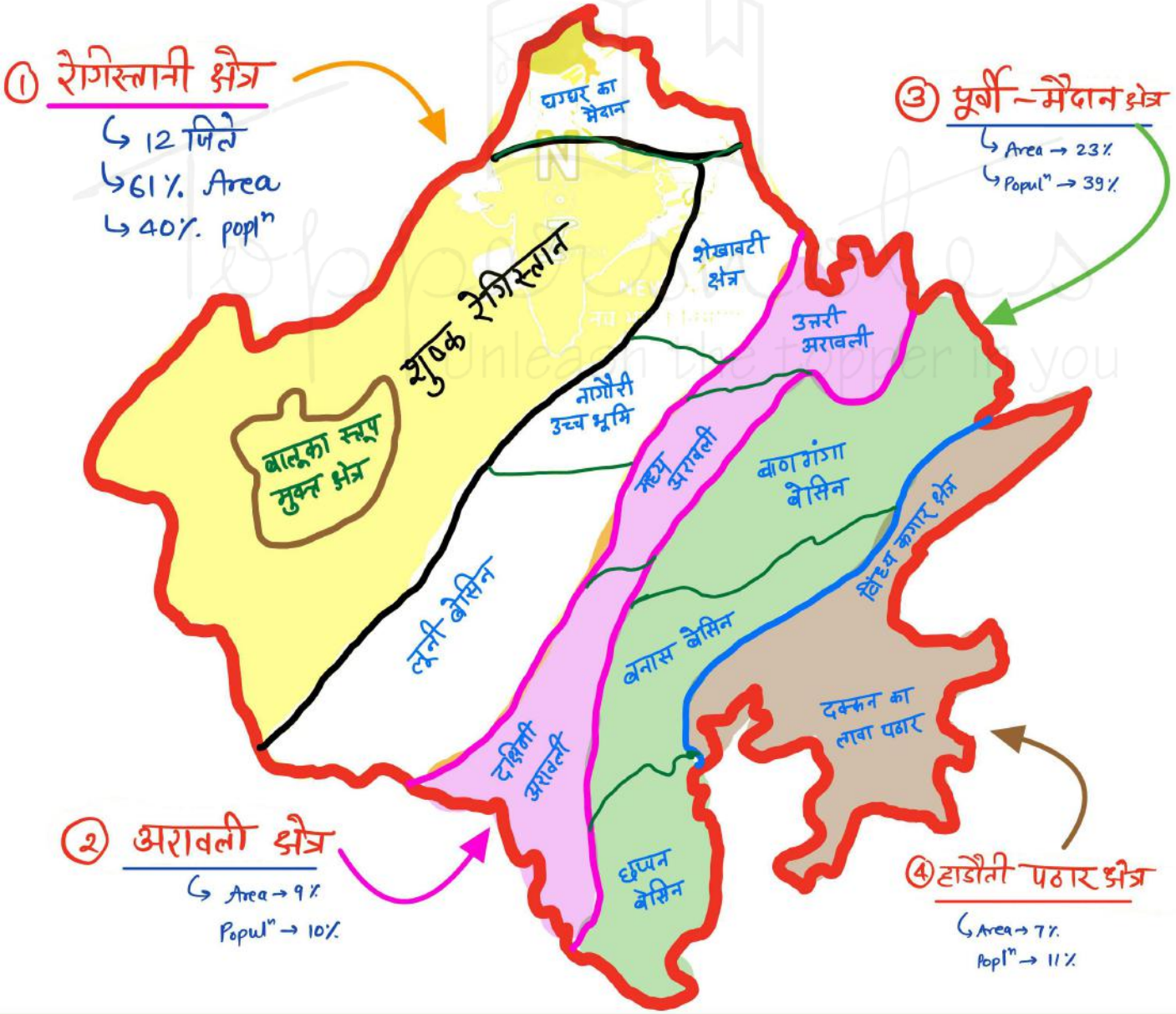

राजस्थान की सीमा एवं पड़ौसी राज्य

Boundries & Neighbour states

- कुल स्थलीय सीमा → 5920 k.m. (1070 ⊕ 4850 k.m)
  - Pak (international line) → 1070 k.m.
  - MP → 1600 k.m.
  - HR → 1262 k.m.
  - Guj. → 1022 k.m.
  - UP → 877 k.m.
  - Pb → 89 k.m.

अवरोही क्रम (decreasing)

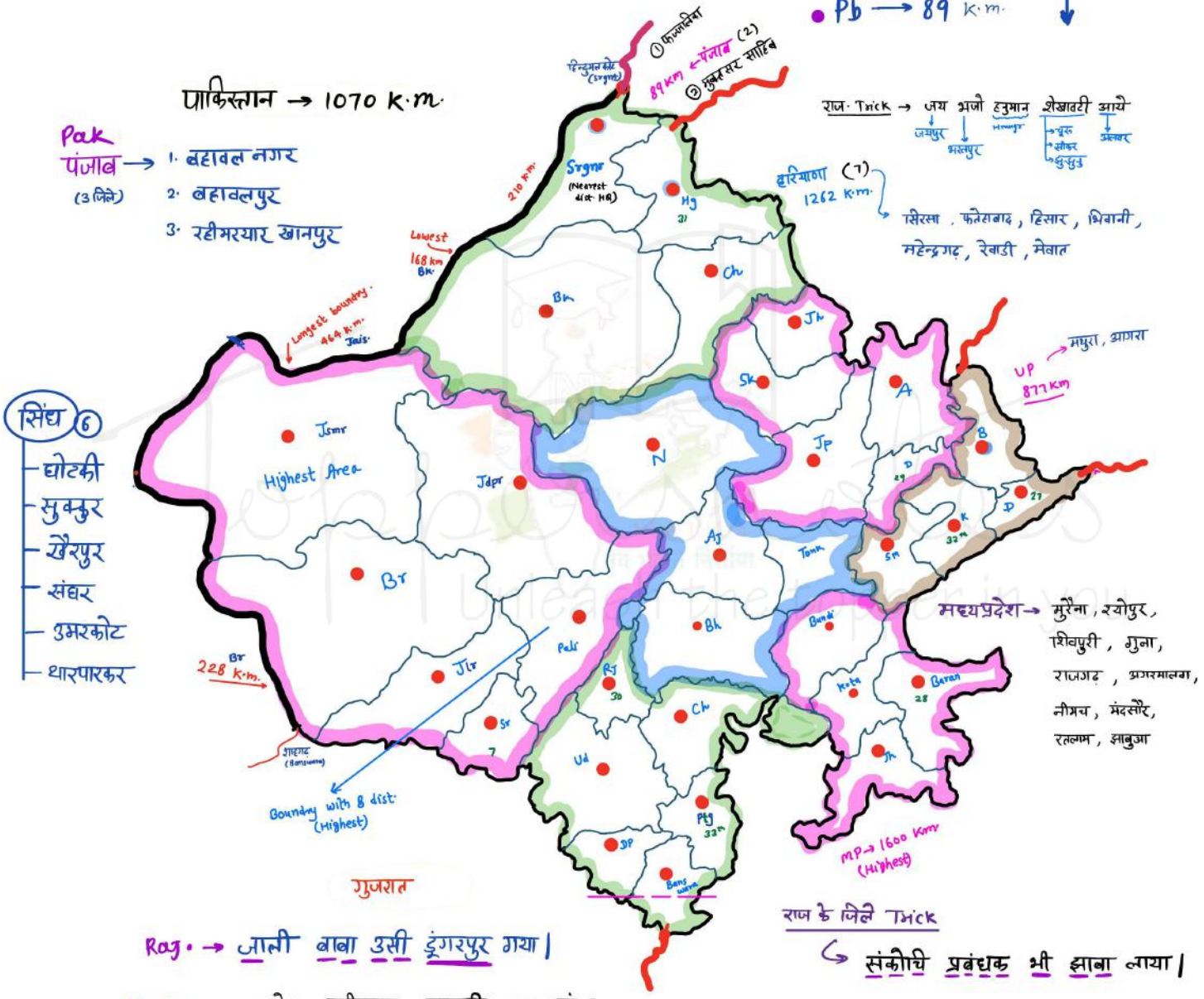

- 2 राज्यों से सीमा बनाने वाले जिले → ① हनुमानगढ़ ② भरतपुर ③ धौलपुर ④ बांसवाड़ा

- कोटा & चित्तौडगढ़ → M.P. से 2 बार सीमा बनाते हैं।
- भीलवाड़ा, चित्तौडगढ़ को 2 भागों में बांटता है।
- सर्वाधिक सीमा → झालावाड़ (M.P.)
- न्यूनतम सीमा → बाड़मेर (Guj.)
- कुल सीमावर्ती जिले → 25 (23 + 4 - 2)
- अंत: स्थलीय (Landlock) जिले → 8 जिले (नंद राजो अपार बूट लाया)
- विखण्डित जिले (discontinous) → ① चित्तौडगढ़ (भीलवाड़ा द्वारा) ② अजमेर (राजसमंद द्वारा विखण्डित)
- राजसमंद का जिला मुख्यालय → राजनगर
- पाली → सर्वाधिक 8 जिलों के साथ सीमा बनाता है।
- नागौर → सर्वाधिक 4 संभाग मुख्यालय के साथ सीमा।
- मानगढ़ पहाड़ी (बांसवाड़ा) → Raj. एवं Guj. के मध्य विवाद।
- राज. का निकटतम बंदरगाह → कांडला (Guj.)
- पाकिस्तान से सीमा के कारण, राज. का सामरिक महत्व (Strategic importance) है।

Unleash the topper in you

राज. में भौगोलिक व ऐतिहासिक नाम
Geographical, Historical, Regional names

- अंग्रेजी शासनकाल में राजपूताना में कुल 19 रियासतें एवं 3 ठिकाना थे।

रियासतें

① जोधपुर ② बीकानेर
③ जैसलमेर ④ उदयपुर
⑤ जयपुर ⑥ कोटा
⑦ बूंदी ⑧ सिरोही
⑨ डूंगरपुर ⑩ बांसवाड़ा
⑪ प्रतापगढ़ ⑫ टोंक
⑬ करौली ⑭ धौलपुर
⑮ भरतपुर ⑯ अलवर
⑰ किशनगढ़ ⑱ शाहपुरा
⑲ झालावाड़

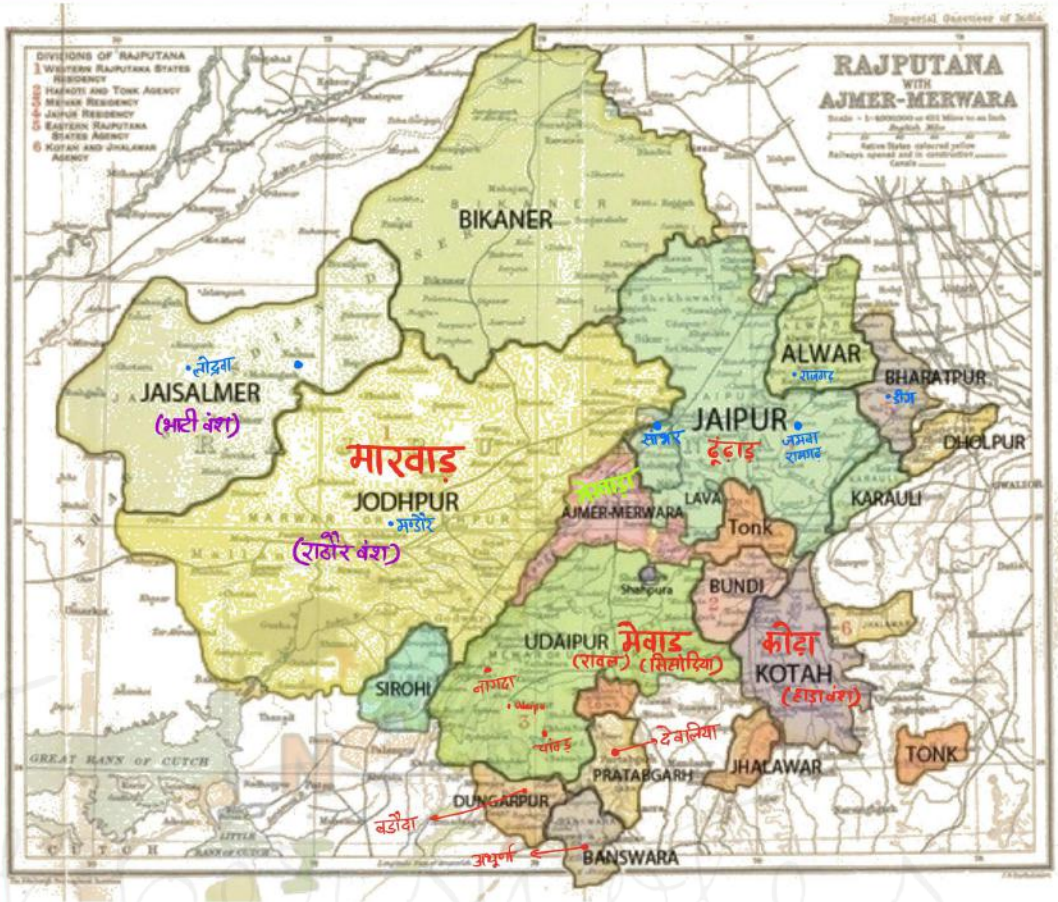

- ठिकाने → नीमराणा (Alwar), कुशलगढ़ (Banswara), लावा (JPR)
- अंग्रेज-शासित क्षेत्र → अजमेर-मेरवाड़ा

राजस्थान की प्राचीन राजधानियाँ

- अथूर्णा (बाँसवाड़ा)—जगमाल सिंह ने बसाया, प्राचीन नाम 'उत्थूनक' था।
- डीग (भरतपुर)—भरतपुर के जाट राजाओं की प्राचीन राजधानी, यहाँ स्थित किलों व महलों का निर्माण सूरजमल ने कराया था।
- बीकानेर—बीकानेर के राठौड़ राजाओं की राजधानी।
- दौसा—ढूंढ़ाड़ के कछवाहा राजाओं की प्रथम राजधानी।
- धौलपुर—धौलपुर रियासत की राजधानी।
- बड़ौदा (डूँगरपुर)—वागड़ के परमारों की राजधानी।
- डूँगरपुर—यहाँ के सिसौदिया शासकों ने बड़ौदा से राजधानी यहाँ स्थानान्तरित की।
- जमवा रामगढ़—पहले मीणाओं की, फिर ढूंढ़ाड़ के कछवाहों की राजधानी।
- लोद्रवा (जैसलमेर)—जैसलमेर के भाटी राजाओं की राजधानी।
- मण्डोर (जोधपुर)—जोधपुर के राठौड़ शासकों की राजधानी।
- देवलिया (प्रतापगढ़)—सिसौदिया शासकों की राजधानी।
- प्रतापगढ़—1867 में महारावल उदय सिंह ने राजधानी बनाया।
- चन्द्रावती (सिरोही)—आबू के परमारों की पूर्व राजधानी।
- नागदा (उदयपुर)—मेवाड़ के गुहिल शासकों की प्रारम्भिक राजधानी।
- चांवड़ (उदयपुर)—महाराणा प्रताप ने 1585 में इसे मेवाड़ की राजधानी बनाया।
- पाटन (सीकर)—तँवर राजपूतों की राजधानी।
- राजगढ़ (अलवर)—अलवर के नरूका राजाओं की प्राचीन राजधानी।
- साँभर (जयपुर)—चौहान राजाओं की अजमेर से पहले राजधानी।

- चौहान शासक → अजमेर, रणथम्भौर, कोटा, बूंदी, जालौर, सिवाणा (Barmer)
- यादव शासक → करौली, जैसलमेर, हनुमानगढ़

भौगोलिक उपक्षेत्र

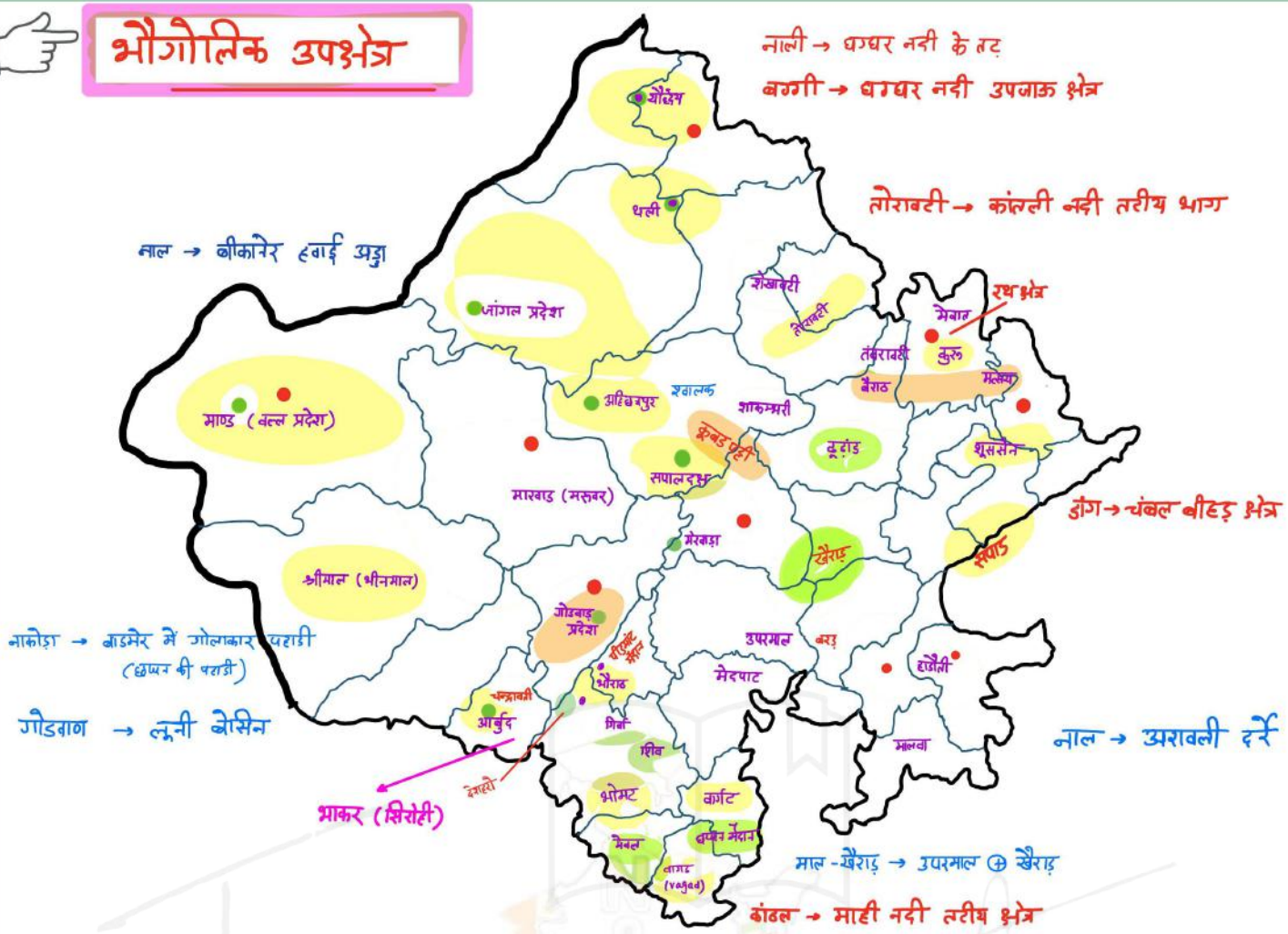

→ **यौद्धेय** → Ancient name of northern Raj. (गंगानगर, हनुमानगढ़)

→ **थली** → Upland part of desert (चूरू, बीकानेर) (उत्तरी मरु)

→ **तली (Talli)** → बालूका स्तूप के मध्य का भाग (बारिश होने पर → प्लाया) (अधिकांश → जैसलमेर)

→ **जांगल क्षेत्र** → बीकानेर & जोधपुर का उत्तरी भाग (जांगल प्रदेश)

→ **अहिछत्रपुर** → Ancient name of nagaur (जांगल प्रदेश की राजधानी)

→ **सपादलक्ष** → चौहान वंश द्वारा शासित क्षेत्र (Ist capital → अहिछत्रपुर, IInd → शाकम्भरी)

→ **मांड & वल्ल** → जैसलमेर के पास का क्षेत्र (मांड गायिकी)

→ { **राठ** → Less than 25 cm. Rainfall area. (JBBJ)
  राठी → एक गाय की नस्ल (प. राज.) }

- मरु → मरुस्थलीय क्षेत्र
- मेरु → Mountains पहाडी क्षेत्र (अरावली)

- शेखावटी → Area Ruled by Sekhawat dynsty (सीकर, चूरु, झुन्झुनु)
- तोरावटी → Catchment Area of Kantali River (सीकर, झुन्झुनु)
- ढूंढाड → Catchment Area of dhundh River (जयपुर, दौसा, टोंक)
- कुरु → प्राचीन क्षेत्र (Alwar, Hriyana, delhi)
- शूरसेन क्षेत्र → प्राचीन जनपद → पूर्वी राज॰ (भरतपुर, करौली, धौलपुर) (राजधानी → मथुरा)
- बृजनगर (Brijnagar) → भरतपुर, धौलपुर, (मथुरा, आगरा)
- ब्रजनगर (Brajnagar) → झालरापाटन का प्राचीन नाम
- मत्स्य → प्राचीन जनपद → अलवर, जयपुर (बैराठ)
  - मत्स्य संघ → A, B, C, D (K.m मुंशी द्वारा दिया शब्द)
- अहीरवाट → Yadav dynsty Ruled area (अलवर & जयपुर) ; रथ क्षेत्र → अलवर के पास
- मेवात → "मेव जाति" बाहुल्य क्षेत्र (Alwar)
- बांगड (Banger) → Ancient alluvial soil Region (पाली, नागौर, सीकर, झुन्झुनु)
  - वागड (vagad) → द॰ राज॰ क्षेत्र (डू॰, बा॰, प्रतापगढ़)
- चन्द्रावती → Ancient name of Sirohi (भूकंप रोधी इमारत)
- जाबालीपुर → जालौर (जाबाली संत का क्षेत्र) (जाल वृक्ष)
- मालानी → Ancient name of Barmer (मल्लिनाथ के लिए प्रसिद्ध)
- (भोराट, भोमट, मेवल)
  - भोराठ → कुम्भलगढ़ एवं गोगुन्दा पहाडियों के मध्य पठारी भाग (राजसमंद & उदयपुर)
  - भोमट → उदयपुर & डूंगरपुर के मध्य पहाडी, पठारी क्षेत्र
  - मेवल (Mewal) → डूंगरपुर - बांसवाड़ा के बीच पहाडी-पठारी क्षेत्र
- पीडमांट मैदान → देवगढ़ (राजसमंद) के निकट का मैदानी भाग

→ कांठल → माही नदी का तटवर्ती क्षेत्र

→ छप्पन का मैदान → बांसवाड़ा & प्रतापगढ़ के बीच मैदान

→ मालव प्रदेश → Extension of Malwa plateau in Rajasthan (प्रतापगढ़ & झालावाड़)

→ माल / हाडौती → द.-पूर्वी पठारी क्षेत्र (हाड़ा वंश का शासन) (K, B, B, T)

→ उपरमाल → चित्तौड़, भीलवाड़ा & बूंदी का उपर उठा भाग

→ हयाहय क्षेत्र (Hayahay) → बूंदी & कोटा क्षेत्र (प्राचीन नाम)

→ खैराड → टोंक, बूंदी, भीलवाड़ा क्षेत्र

→ { बीहड़ → चंबल नदी द्वारा निर्मित उत्खात भूमि क्षेत्र (करौली, धौलपुर, S.M.) (डांग)
  { बीड → Grassland area in Sekhawati Area.

→ सपाड़ → M.P. से जुड़ा करौली - सवाईमाधोपर क्षेत्र

→ नाल → अरावली के दर्रे ; नाली → घग्घर नदी के पाट (तट)

जिलों का आकार एवं शहरों के उपनाम

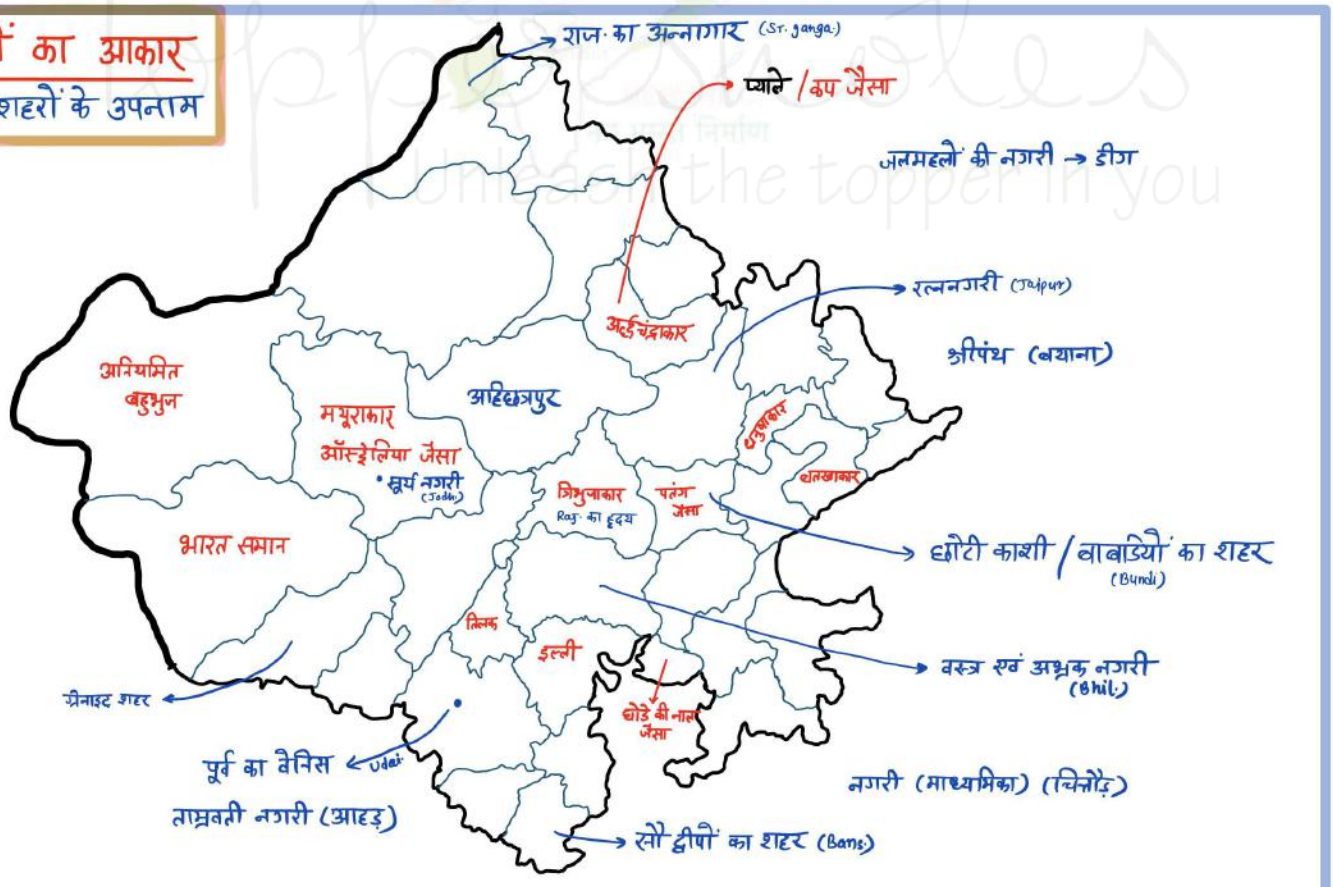

Key points

→ राजस्थान दिवस → 30 मार्च

→ Same population & Area in percent (1991) → बांसवाड़ा (1.5%)

→ कर्क रेखा के निकटतम शहर → बांसवाड़ा (23°55')

→ नेहड़ क्षेत्र → जालौर

→ Island of Glory → जयपुर (C.V. रमन ने कहा)

→ राजस्थान का आकार → विषमकोणीय चतुर्भुज (पतंगाकार)

जोधपुर संभाग → Highest Area ; सर्वाधिक पशु संपदा, सर्वाधिक दशकीय वृद्धि दर

भरतपुर संभाग → Newest (2005) ; Lowest Area

जयपुर संभाग → Highest population ; Highest literacy

बीकानेर संभाग → Lowest in population

उदयपुर संभाग → Highest sex ratio

— बावड़ियों का शहर → बूंदी

— हजार खम्भों का शहर → रणकपुर

— पूर्व का वेनिस → उदयपुर

— कुल 7 चरणों में राज. का एकीकरण सम्पन्न हुआ (1 Nov. 1956)

— कर्क रेखा के सर्वाधिक नजदीक शहर → बांसवाड़ा

— मध्यभारत की सबसे ऊँची चोटी → गुरुशिखर (1722 मी.)

— भूकम्प की दृष्टि से राज. को तीन जोन में बांटा है। (Zone-II, III, IV)

Toppersnotes नव भारत निर्माण Unleash the topper in you